ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC) PREPARED FOR THE POOL OF COURSES

वर्ष	सत्रार्द्ध	प्रश्नपत्रों की सूची	कोर्स	क्रेडिट
प्रथम वर्ष	प्रथम सत्रार्द्ध	हिन्दी भाषा : व्याकरण(खंड- अ)	AEC 1	2
	द्वितीय सत्रार्द्ध	हिन्दी भाषा : व्याकरण(खंड- ब)	AEC 2	2
द्वितीय वर्ष	तृतीय सत्रार्द्ध	हिन्दी भाषा : स्वरूप एवं प्रकार (खंड-अ)	AEC 3	2
	चतुर्थ सत्रार्द्ध	हिन्दी भाषा : स्वरूप एवं प्रकार (खंड-ब)	AEC 4	2

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

SEMESTER - I

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibility criteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practice		
AEC : हिन्दी भाषा :व्याकरण(खंड- अ)	2	1	0	1	Class XII	Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: – Hindi	Year: I	Semester:I Paper-AEC
Course Code: AEC[1]	Course Title: हिन्दी भाषा : व्याकरण(खंड- अ)	

Learning Objectives :

1. हिंदी वर्णमाला के अक्षरों को पहचानना और लिखना।
2. वाक्यों में विराम चिह्नों का उपयोग करना।
3. विराम चिह्नों के नियमों को समझना और विराम चिह्नों के बिना लेखन की कठिनाइयों को समझना।
4. वर्तनी विश्लेषण की प्रक्रिया को समझना।
5. परिभाषिक शब्दों की परिभाषा और उनके अर्थ और उपयोग को समझना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा की वर्णमाला, वर्णों के उच्चारण एवं वर्गीकरण का ज्ञान व प्रक्षिशण पाता है।
2. शिक्षार्थी हिन्दी भाषा के व्यावहारिक प्रयोजनार्थ वर्तनी एवं शब्दों के मानक स्वरूप का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु विराम चिह्न एवं उनके प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
4. शिक्षार्थी कार्यालयी प्रयोजनार्थ पारिभाषिक –प्रतिपारिभाषिक शब्दों के प्रयोग का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**वर्ण विचार - हिंदी वर्णमाला: स्वर और व्यंजन,वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण**	6
Unit II	**हिंदी-वर्तनीः हिंदी वर्तनी का मानकीकरण, शब्द और वर्तनी-विश्लेषण, वर्तनी विषयक अशुद्धियाँ और उनका शोधन।**	6
Unit III	**विरामचिह्न और उनका प्रयोग।**	6
Unit IV	**पारिभाषिक शब्द : तात्पर्य, परिभाषा**	6
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति, बद्रीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा: कल आज कल, पूरन चन्द्र टंडन, मुकेश अग्रवाल, किताबघर : नई दिल्ली।
5. मानक हिंदी व्याकरण और रचना, हरिवंश तरुण, प्रकाशन संस्थान : नई दिल्ली।
6. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन।
7. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
8. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
9.हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी : नागरी प्रचारिणी सभा।
10.हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम,रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

SEMESTER - II

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practice		
ACE : हिन्दी भाषा : व्याकरण(खंड- ब)	2	1	0	1	AEC HINDI IN SEMESTER I	Nil

Undergraduate Diploma in Multidisciplinary Study		
Programme: – Hindi	Year: I	Semester:II Paper-AEC
Course Code: AEC[2]	Course Title: हिन्दी भाषा : व्याकरण (खंड-ब)	

Learning Objectives :

1. शब्दों का निर्माण करना और उनके अर्थ समझना।
2. शब्दों के अर्थ और उनके विभिन्न उपयोगों को समझना।
3. वाक्यों का निर्माण करना और उनकी रचना समझना।
4. शब्द रचना और वाक्य रचना का उपयोग करके लेखन कौशल विकसित करना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी को व्यावहारिक-व्यावसायिक प्रयोजनार्थ हिन्दी भाषा की अत्यन्त समृद्ध शब्द सम्पदा तथा उसकी समाहार- समायोजन शक्ति का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी व्यावहारिक प्रयोजनार्थ शुद्ध लेखन हेतु हिन्दी की वाक्य-संरचना एवं व्याकरण का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**शब्द विचार : व्याकरण के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण**	8
Unit II	**हिंदी शब्द रचना- समास, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, रचना के आधार पर शब्द भेद- रूढ़, यौगिक, योगरूढ़; इतिहास के आधार पर- तत्सम्, तद्भव, देशी, देशज, विदेशी और संकर शब्द। अर्थ के आधार पर पर्यायवाची, विलोम और अनेकार्थी शब्द।**	8
Unit III	**वाक्यरचना, वाक्य-भेद, वाक्य-शुद्धि।**	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1. हिंदी व्याकरण की सरल पद्धति, बद्रीनाथ कपूर वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन चौक।
2. हिंदी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरु इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
3. हिंदी व्याकरण विमर्श, तेजपाल चौधरी, नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन।
4. हिंदी भाषा की संरचना, भोलानाथ तिवारी, नई दिल्ली :वाणी प्रकाशन।
5. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण, कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन: नई दिल्ली।
6. अच्छी हिंदी, रामचन्द्र वर्मा, इलाहाबाद :लोकभारती प्रकाशन।
7.हिंदी शब्दानुशासन, किशोरीदास वाजपेयी, वाराणसी :नागरी प्रचारिणी सभा।
8.हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम,रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,नई दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन।

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

SEMESTER – III

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practice		
AEC : हिन्दी भाषा : स्वरूप एवं प्रकार (खंड- अ)	2	1	0	1	AEC HINDI IN SEMESTER II	Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: – Hindi	Year: II	Semester:III Paper-AEC
Course Code: AEC[3]	Course Title: हिन्दी भाषा : स्वरूप एवं प्रकार (खंड- अ)	

Learning Objectives :

1. हिंदी भाषा की उत्पत्ति और विकास को समझना।
2. हिंदी भाषा की शैली को समझना।
3. हिंदी भाषा के विभिन्न बोली रूपों को समझना।
4. हिंदी भाषा के महत्व और उसके विभिन्न उपयोगों को समझना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी को हिन्दी भाषा के विस्तृत व समृद्ध इतिहास व विकास का ज्ञान होता है।
2. शिक्षार्थी को हिन्दी की शैलियों यथा हिन्दी, हिन्दुस्तानी व उर्दू का ज्ञान होता है, जो भाषा के व्यावहारिक प्रयोग में काम आता है।
3. शिक्षार्थी को हिन्दी की बोलियों का ज्ञान होता है, जिसके आधार पर वह अपने भाषा संस्कारों को समृद्ध करता है तथा सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी का प्रयोग अधिक कुशलता के साथ कर पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**हिंदी भाषा का उद्भव और विकास।**	8
	हिंदी की शैलियां (उर्दू, रेख्ता, हिंदवी, हिंदुस्तानी, दक्खिनी)	8
Unit II	**हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ- 1 पश्चिमी हिंदी(खड़ी बोली, हरियाणवी, ब्रज, कन्नौजी, बुंदेली) 2 पूर्वी हिंदी(अवधी,बघेली,छत्तीसगढ़ी) 3 राजस्थानी (मेवाती,मालवी,जयपुरी,मारवाड़ी) 4 बिहारी(मगही,मैथिली,भोजपुरी) 5 पहाड़ी पूर्वी- नेपाली, मध्यवर्ती- कुमाउनी,गढ़वाली, पश्चिमी- हिमाचली) ।**	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1 डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग

2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास।

3. डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा।

4. डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा – हिंदी भाषा का विकास।

5. डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।

6. डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग

SEMESTER – IV

CREDIT DISTRIBUTION, ELIGIBILITY AND PRE-REQUISITES OF THE COURSE

TEACHING HOURS – 30

Course Title	Credits	Credit distribution of the Course			Eligibilitycriteria	Pre-requisite of the course(if any)
		Lecture	Tutorial	Practice		
AEC : हिन्दी भाषा : स्वरूप एवं प्रकार (खंड- ब)	2	1	0	1	AEC HINDI IN SEMESTER III	Nil

Undergraduate Certificate in Multidisciplinary Study		
Programme: – Hindi	Year: II	Semester:IV Paper-AEC
Course Code: AEC4	Course Title: हिन्दी भाषा : स्वरूप एवं प्रकार (खंड- ब)	

Learning Objectives :

1. राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा की परिभाषा और उसके महत्व को समझना।
2. राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा के कार्यों और उसके उपयोग को समझना।
3. राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा के सामने आने वाली चुनौतियों को समझना।

4. न्यू मीडिया की परिभाषा और उसके महत्व को समझना।
5. न्यू मीडिया में हिंदी के उपयोग और उसके महत्व को समझना।
6. देवनागरी लिपि के अक्षरों और उनके उपयोग को समझना।
7. देवनागरी लिपि के अंकों और उनके उपयोग को समझना।

Learning Outcomes:

1. शिक्षार्थी को राजभाषा के रूप में हिन्दी की संवैधानिक स्थिति का ज्ञान होता है, जिसकी आवश्यकता उसे सरकारी सेवाओं में होती है।
2. शिक्षार्थी कम्प्यूटर व इंटरनेट की तकनीक में हिन्दी के प्रयोग का आरंभिक ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।
3. शिक्षार्थी देवनागरी लिपि एवं अंकों का ज्ञान व प्रशिक्षण पाता है।

Unit	Topic	No. of Hours
Unit I	**राजभाषा, राष्ट्रभाषा, मानकभाषा, सम्पर्कभाषा, माध्यम भाषा**	8
Unit II	**हिन्दी और न्यू मीडिया ।**	8
Unit III	**देवनागरी लिपि एवं अंक।**	8
	(Tutorial, Assignment, Class Room Seminars, Group Discussion etc)	6

Suggested Readings :

1 डॉ. केशवदत्त रुवाली- हिंदी भाषा: प्रथम भाग, हिंदी भाषा: द्वितीय भाग
2. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा- हिंदी भाषा का इतिहास।
3. डॉ. भोलानाथ तिवारी- हिंदी भाषा।
4. डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा – हिंदी भाषा का विकास।
5. डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया- प्रशासन में राजभाषा का स्वरूप और विकास।
6. डॉ. पूरनचंद्र टण्डन- व्यावहारिक हिंदी।

प्रो. निर्मला ढैला बोरा
अध्यक्ष
हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
डी.एस.बी. परिसर, नैनीताल